



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

---

सं. 437] नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 10, 1990/आश्विन 18, 1912  
No. 437] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 10, 1990/ASVINA 18, 1912

---

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

---

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)  
अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1990

सं. 39/90-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एनटी)

सा.का.नि. 828(अ).—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उस प्रथा के अनु-  
सार जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन

उत्पाद शुल्क के उद्ग्रहण की बाधत (जिसके अन्तर्गत उसका उद्ग्रहण न किया जाना भी है) साधारण तथा प्रचलित थी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के शीर्ष सं. 84.42 के अंतर्गत आने वाले मुद्रण फ्रेमों पर उत्पाद-शुल्क जब उनका उत्पादन के कारखाने में टैक्सटाईल फ्रेमों के मुद्रण में उपयोग किया जाता है, 28 फरवरी, 1986 को प्रारम्भ होने वाली और 2 सितम्बर, 1987 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था;

और ऐसे मुद्रण फ्रेमों पर विजेय उत्पाद शुल्क भी पूर्वोक्त अवधि के दौरान ऐसे शुल्क के उद्ग्रहण से संबंधित सुसंगत अवधिके अधीन उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त प्रथा के न होने पर ऐसे मुद्रण फ्रेमों पर, यथास्थिति, प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 3 के अधीन या उक्त विधि के अधीन संदेय सम्पूर्ण उत्पाद शुल्क, और विशेष उत्पाद शुल्क ऐसे मुद्रण फ्रेमों पर संदाय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिन पर उक्त उत्पाद शुल्क और विशेष उत्पाद शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं किया गया था।

[फा. सं. 154/19/87-सीएक्स, 4]

ए. एन. शर्मा, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 10th October, 1990

No. 39/90-CENTRAL EXCISES (NT)

G.S.R. 828(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on printing frames falling under heading 84.42 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1985), when used in the factory of production in the printing of textile fabrics, was not being levied under section 3 of the first mentioned Act during the period commencing on the 28th day of February, 1986 and ending with the 2nd day of September, 1987;

And whereas the special duty of excise on such printing frames was also not being levied under the relevant law relating to the levy of such duty during the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the first mentioned Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise and the special duty of excise payable under section 3 of the first mentioned Act, or, as the case may be, under the said law, on such printing frames, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such printing frames on which the said duty of excise and the special duty of excise were not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 154/19/87-CX.4]

A. N. SHARMA, Under Secy.

